

दिनांक 28/10/13
म.प्र. - इन्दौर 24C
य.प्र. - इन्दौर

प्रकरण क्रमांक :
पेशी दिनांक 21/10/13

माननीय राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर कैम्प इन्दौर

28/10/13 R-4215-1113

श्री सुरेशचंद्र जोशी
प्रशासिक विभाग द्वारा दिनांक 21/10/2013

1) रामचन्द्र पिता श्री मोतीराम जी खाती
आयु - 69 वर्ष, व्यवसाय - कृषि
निवासी - ग्राम बिजलपुर तहसील व जिला इन्दौर (म.प्र.)

को प्रस्तुत
797/21-10-2013

श्री श्री

1- - अ- श्रीमती मनोरमाबाई वर्मा [खाती] पति स्व- श्रीरामचन्द्रजी
आयु 66 वर्ष, पेशा- गृहणी

ब- राजकुमार पिता स्व- श्री रामचन्द्रजी वर्मा
आयु 37 वर्ष पेशा- कृषि

अ व ब निवासी- ग्राम बिजलपुर तहसील जिला इन्दौर

2) हुकुमचन्द पिता श्री गोपीचन्द खाती
आयु - 67 वर्ष, व्यवसाय - कृषि
निवासी - ग्राम बिजलपुर तहसील व जिला इन्दौर (म.प्र.)

... प्रार्थीगण

विरुद्ध

- 1) म.प्र. शासन द्वारा कलेक्टर
जिला इन्दौर (म.प्र.)
- 2) अपर कलेक्टर जिला इन्दौर
- 3) अपर तहसीलदार इन्दौर
उक्त तीनों कार्यालय
प्रशासनिक संकुल मोतीतबेला, इन्दौर (म.प्र.)
- 4) प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति
बिजलपुर कार्यालय - ग्राम बिजलपुर तहसील व जिला इन्दौर (म.प्र.)

... प्रतिप्रार्थीगण

निगरानी अर्ज :- अन्तर्गत धारा 50 म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959

प्रार्थीगण का सादर निवेदन है कि :-

श्रीमान अपर कलेक्टर महोदय, जिला इन्दौर के द्वारा राजस्व
प्रकरण क्रमांक 255/अ-74/2011-12 में पारित आदेश दिनांक

-2पर

Prave

श्रीमान
अपर
कलेक्टर
जिला
इन्दौर
16-2-13

28/10/13

5

17/08/2012 से असन्तुष्ट होकर प्रार्थीगण यह निगरानी निम्नलिखित कारणों से प्रस्तुत करते हैं :-



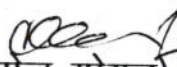
राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
आवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 4215-दो/13

जिला इन्दौर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
09-03-2016	<p>उभय पक्ष के विद्वान अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । आवेदकगण की ओर से अपर कलेक्टर द्वारा पारित आदेश दिनांक 17-8-2012 के विरुद्ध इस न्यायालय में निगरानी दिनांक 28-10-2013 को लगभग एक वर्ष से भी अधिक विलम्ब से प्रस्तुत की गई है । आवेदकगण की ओर से अवधि विधान की धारा 5 के आवेदन पत्र में विलम्ब का कारण आवेदकगण को अपर कलेक्टर के द्वारा आदेश पारित करने में सूचना नहीं देना दर्शाया गया है, जो कि समाधानकारक नहीं है । आवेदकगण द्वारा आवेदन पत्र में जानकारी का स्रोत नहीं दर्शाया गया है कि अपर कलेक्टर के आदेश की जानकारी किस दिनांक को किसके द्वारा हुई । ऐसी स्थिति में विलम्ब का कारण सद्भाविक मान्य नहीं किया जा सकता है । फलस्वरूप यह निगरानी अवधि बाह्य होने से निरस्त की जाती है ।</p>	




(मनाज गोयल)
अध्यक्ष